साप्ताहिक समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-06 अंक-52, भोपाल, सोमवार, 17 जनवरी 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

देशभर में मनाया जा रहा है सेना दिवस, पीएम मोदी बोले- सेना के बलिदान को शब्दों में व्यक्त करना कठिन

दरअसल फील्ड मार्शल केएम करियप्पा आजाद भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख 15 जनवरी 1949 को बने थे. इसलिए हर साल 15 जनवरी को सेना दिवस फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की याद के तौर पर मनाया जाता है.

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेना दिवस के अवसर पर भारतीय सेना, उसके सैनिकों और उनके परिजनों को बधाई दी है. उन्होंने ट्विटर पर किये अपने ट्वीट में कहा है कि मैं सेना दिवस के अवसर पर विशेष रूप से हमारे सभी साहसी सैनिकों, सम्मानित पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को सेना दिवस के अवसर पर शुभकामनाएं देता हूं. भारतीय सेना दुनिया में अपनी बहादुरी और पेशेवर अंदाज के लिए जानी जाती है.

भारतीय सेना की अमूल्य सेवाओं का वर्णन शब्दों से संभव नहीं : उन्होंने लिखा कि राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भारतीय सेना द्वारा की गई अमूल्य सेवाओं का वर्णन शब्दों के माध्यम से नहीं किया जा सकता है. प्रधानमंत्री ने अपने दूसरे ट्वीट में सेना के लिए लिखा कि भारतीय सेना के जवान प्रतिकूल परिस्थितियों और इलाकों में देश की सेवा करते हैं और प्राकृतिक आपदाओं सहित मानवीय संकट के दौरान साथी नागरिकों की मदद करने में सबसे आगे हैं. इसी के साथ हमारे जवान विदेशों में भी शांति अभियानों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं. भारत की सेना के शानदार योगदान पर भारत को गर्व है.

प्रथम फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की याद में मनाया जाता है सेना दिवस : दरअसल फील्ड मार्शल केएम करियप्पा आजाद भारत के पहले भारतीय सेना प्रमुख 15 जनवरी 1949 को बने थे. ये भारत के इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक माना जाता है. इसलिए हर साल 15 जनवरी को भारत में भारतीय सेना दिवस फील्ड मार्शल केएम करियप्पा की याद के तौर पर मनाया जाता है. मिली जानकारी के मुताबिक आज 15 जनवरी को भारत में सेना दिवस के मौके पर थलसेना की ताकत देखने को मिलेगी.

सेना को मिली नई कॉम्बेट यूनिफार्म की सौगात : इस मौके पर थलसेना प्रमुख जनरल एम एम नरवणे राजधानी दिल्ली में कैंट स्थित करियप्पा ग्राउंड में परेड की सलामी लेंगे. इ?स साल की परेड इसलिए भी खास है क्योंकि आज पहली बार भारतीय सैनिकों की नई कॉम्बेट यूनिफार्म की झलक देखने को मिलेगी. डिजिटल पैटर्न पर हस्त्रङ्क्ष द्वारा तैयार की गई इस यूनिफार्म को ही सैनिक युद्ध के मैदान और ऑपरेशनल एरिया में पहना करेंगे. थलसेना प्रमुख सैनिकों को संबोधित भी करेंगे.

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने स्मार्ट सिटी उद्यान में पीपल और करंज का पौधा रोपा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज स्मार्ट सिटी उद्यान में पीपल और करंज का पौधा लगाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान के साथ टीम क्लीन एंड ग्रीन संस्था के पदाधिकारियों ने भी पौधे लगाए। संस्था ने मुख्यमंत्री श्री चौहान को एक कलात्मक गमले में पौधा भेंट किया। गमले का निर्माण वेस्ट मटेरियल से किया गया है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने संस्था से उनकी गतिविधियों की जानकारी ली। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि वे कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से अनुपयोगी सामग्री का उपयोग कर गमले तैयार करते हैं। इंद्रपुरी फोरलेन के सेंट्रल वर्ज को भी संस्था ने हरा-भरा बनाया है। गोविंदपुरा औद्योगिक क्षेत्र में उद्यान के विकास में भी संस्था सक्रिय है। पौधों का महत्व : पीपल एक छायादार वृक्ष है। यह पर्यावरण शुद्ध करता है। इसका धार्मिक और आयुर्वेदिक महत्व भी है। इस वृक्ष की सकारात्मक उर्जा को देखते हुए ऋषि-महात्माओं नें पीपल वृक्ष के नीचे बैठ कर तप किया और ज्ञान अर्जित किया। प्रकृति विज्ञान के अनुसार पीपल का वृक्ष दिन-रात आक्सीजन छोड़ता है, जो पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल, बिहू और पौष पर्व पर नागरिकों को दी बधाई और शुभकामनाएँ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मकर संक्रांति, लोहड़ी, पोंगल, बिहू और पौष पर्व पर सभी नागरिकों को बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं। उन्होंने कहा है कि सभी प्रदेशवासियों का जीवन उमंग और उल्लास से पूर्ण हो और प्रदेश विकास की राह पर सतत अग्रसर रहे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि ये त्यौहार हमारे देश की अनेकता में एकता को परिभाषित करते हैं। उत्सव प्रकृति के साथ हमारे संबंधों को दर्शाते हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट कर सभी के लिए ढेर सारी खुशियों और समृद्धि की कामना की है।

कम्पनियाँ प्रदेश में आकर लगायें वन और पायें कार्बन क्रेडिट - वन मंत्री डॉ. शाह

भोपाल। वन मंत्री डॉ. कुँवर विजय शाह ने कहा है? कि देश की बड़ी कम्पनियाँ निर्माण और उत्खनन कार्यों के लिये भूमि का अधिग्रहण करती हैं, बदले में वनों का विकास जरूरी है। इस तरह की कम्पनियों को मध्यप्रदेश आकर वन विकास निगम के जरिये वनों के विकास में आगे आना चाहिये। वन मंत्री डॉ. शाह गुरुवार को इंदौर में वन विकास निगम के क्षेत्रीय कार्यालय का शुभारंभ कर रहे थे।वन मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि कम्पनियों द्वारा वनों के विकास के बदले कार्बन क्रेडिट प्राप्त किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि इस मामले में विभिन्न कोयला कम्पनी ओर अंडमान निकोबार द्वीप प्रशासन से चर्चा हुई है। वन मंत्री ने कहा कि निमाड़-मालवा क्षेत्र में वनों की अधिक जरूरत है और इंदौर कॉर्पोरेट का मुख्य केन्द्र होने से वन विभाग और विभिन्न निजी कम्पनियों के बीच अधिक तालमेल बनाकर कार्य किया जायेगा। इसी मंशा से क्षेत्रीय कार्यालय प्रारंभ किया गया है। इस मौके पर वन विकास निगम एम.डी. श्री अभय पाटिल, अपर प्रबंध संचालक कैप्टन ए.के. खरे सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की सभी तैयारियाँ पूरी

मंत्री डॉ. चौधरी ने जे.पी. अस्पताल में एसएनसीयू और एलएमओ प्लांट का लोकार्पण किया

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि कोरोना की तीसरी लहर से निपटने के लिये स्वास्थ्य विभाग की सभी तैयारियाँ पूरी हैं। अस्पतालों में ऑक्सीजन सपोर्टेड बिस्तर और ऑक्सीजन आपूर्ति की पर्याप्त व्यवस्थाएँ की गई हैं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने गुरुवार को जे.पी. हॉस्पिटल में नव-निर्मित एसएनसीयू और एलएमओ प्लांट का लोकार्पण कर यह जानकारी दी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कहा कि भोपाल में जे.पी. अस्पताल में 6 हजार लीटर लिक्विड ऑक्सीजन क्षमता के प्लांट को बनाया गया है। इसकी लागत 75 लाख रुपये है। उन्होंने कहा कि जे.पी. अस्पताल में 5 लाख 32 हजार रुपये की लागत से 10 बिस्तरीय शिशु रोग गहन चिकित्सा इकाई तैयार की गई है। एक करोड़ 18 लाख रुपये लागत से 18 बिस्तरीय कोविड आईसीयू वार्ड भी तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि भोपाल जिले में ही 18 हजार 830 एलपीएम (लीटर प्रति मिनिट) क्षमता के ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किये जा चुके हैं।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने कोरोना की तीसरी लहर से निपटने की तैयारियों के संबंध में मीडिया से अनौपचारिक चर्चा करते हुए कहा कि होम आइसोलेशन में मरीजों का नियमित फॉलोअप किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमित जिन मरीजों को होम आइसोलेशन का परामर्श दिया गया है, उनसे दिन में दो बार सम्पर्क कर फॉलोअप लिया जा रहा है। इसके लिये कंट्रोल-रूम में चिकित्सकों को नियुक्त किया गया है। होम आइसोलेशन मरीजों के लिये निर्धारित औषधियाँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि कोरोना के मंद लक्षण वाले ऐसे मरीज, जिनके घरों में आइसोलेशन के लिये पर्याप्त जगह उपलब्ध नहीं है, उन्हें कोविड केयर सेंटर्स में भर्ती कर उपचार लिया जा रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने बताया कि कोविड टीकाकरण के क्षेत्र में प्रदेश में उल्लेखनीय कार्य हुआ है। समाज के सभी वर्गों और समुदाय के सहयोग से प्रदेश ने टीकाकरण में महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की है।

कोरोना नियंत्रण के लिये नये दिशा-निर्देश के साथ प्रतिबंधात्मक आदेश लागू

31 जनवरी तक बंद रहेंगे 12वीं तक के स्कूल और हॉस्टल जुलूस और रैली प्रतिबंधित

भोपाल। राज्य शासन ने कोविड-19 के पॉजीटिव तथा एक्टिव प्रकरणों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी के दृष्टिगत नये दिशा-निर्देश जारी किये हैं। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा आज ली गई क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप्स की वर्चुअल बैठक में हुए विचार-विमर्श के तत्काल बाद अपर मुख्य सचिव गृह डॉ. राजेश राजौरा ने जारी किये प्रतिबंधात्मक आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर सभी कलेक्टर्स को उनका कड़ाई से पालन करने को कहा है। डॉ. राजौरा ने बताया कि कक्षा 1 से कक्षा 12 तक के समस्त स्कूल एवं हॉस्टल 31 जनवरी 2022 तक बंद रहेंगे। जनवरी 2022 में आयोजित होने वाली प्री-बोर्ड परीक्षाओं के संबंध में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा पृथक से आदेश जारी किए जाएंगे। सभी प्रकार के मेले (धार्मिक, व्यावसायिक), जिनमें जन-समूह एकत्रित होता है, प्रतिबंधित रहेंगे। समस्त रैली एवं जुलूस प्रतिबंधित रहेंगे। समस्त राजनैतिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक, शैक्षणिक और मनोरंजन आदि के आयोजनों में 250 व्यक्तियों से अधिक की उपस्थिति प्रतिबंधित रहेगी। बंद हॉल में हॉल की क्षमता के 50 प्रतिशत से कम की उपस्थिति के ही आयोजन/कार्यक्रम आयोजित हो सकेंगे। खेलकूद संबंधी गतिविधियों के लिए स्टेडियम की क्षमता के 50 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति के आयोजन प्रतिबंधित रहेंगे। डॉ. राजौरा ने बताया कि कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन अनिवार्य होगा। कोविड उपयुक्त व्यवहार जैसे मास्क का उपयोग, सोशल डिस्टेंसिंग आदि का पालन सुनिश्चित कराया जाए। मास्क नहीं लगाने वाले व्यक्तियों पर नियमानुसार जुर्माना वसूली की कार्यवाही की जाये।

किसानों के सहयोग से 'आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश' का करेंगे निर्माण

भोपाल। उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण (स्वतंत्र प्रभार) और नर्मदा घाटी विकास राज्य मंत्री श्री भारत सिंह कुशवाह ने कहा है कि किसानों के सहयोग से आत्म-निर्भर मध्यप्रदेश का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उद्यानिकी किसानों को उन्नत तरीके से जैविक कृषि के लिए उद्यानिकी विभाग लगातार प्रोत्साहित कर रहा है। विभागीय नर्सरियों में जैविक कृषि कर किसान भाईयों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। राज्य मंत्री श्री कुशवाह गुरुवार को खण्डवा जिले के रीछी उद्यान प्रक्षेत्र भ्रमण के दौरान यह बात कही।

राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने खंडवा में रीछी उद्यान प्रक्षेत्र में जैविक तरीकों से उत्पादित की जा रही फसलों का निरीक्षण किया। उन्होंने उद्यान विभाग के अधिकारियों से कहा कि सभी किसानों को अधिक से अधिक जैविक खेती करने के लिये प्रेरित करें। राज्य मंत्री श्री कुशवाह ने प्रक्षेत्र में जैविक खाद के निर्माण की प्रक्रियाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। अधिकारियों ने बताया कि ड्रिप एरिगेसन से पानी की बचत होती है एवं मल्चिंग विधि से फसलों को खरपतवार से दूर रखा जा सकता है।

नगरीय निकायों की मतदाता सूची का होगा वार्षिक पुनरीक्षण-2022

भोपाल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के निर्वाचन के लिए एक जनवरी 2022 की संदर्भ तारीख के आधार पर फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण के लिए कार्यक्रम निर्धारित कर दिया गया है। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री बी.एस. जामोद ने जानकारी दी है कि रजिस्ट्रीकरण एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति, दावे-आपत्ति केन्द्रों का निर्धारण और जिला स्तरीय प्रशिक्षण 14 से 17 जनवरी तक किया जाएगा। मतदाताओं की शिफ्टिंग संबंधी विवादों के निराकरण के लिये 14 फरवरी को बैठक होगी। मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के संबंध में पृथक से कार्यक्रम घोषित किया जायेगा।

बाँस की फसल अन्य फसलों से सुरक्षित और लाभदायक- प्रमुख सचिव वन श्री वर्णवाल

भोपाल। बाँस की फसल अन्य फसलों की तुलना में सुरक्षित और अधिक लाभदायक है। बाँस की फसल की खासयित यह भी है कि यह किसी भी मौसम में खराब नही होती। प्रमुख सचिव, वन श्री अशोक वर्णवाल ने यह बात हरदा में बाँस वृक्षरोपण के लिए कृषकों की एक दिवसीय कार्यशाला में कही। प्रमुख सचिव श्री वर्णवाल ने बताया कि बाँस की फसल इस दृष्टि से भी बेहत्तर है कि इसे एक बार लगाने के बाद हर साल इसका उत्पादन प्राप्त होता है। बाँस की फसल में खर्चा कम होने के साथ मानव श्रम भी बहुत कम लगता है। एक हेक्टेयर में 625 पौधे लगाये जा सकते है। किसान शासकीय नर्सरी से बाँस के पौधे खरीद सकते है। उन्होंने कहा कि बाँस की फसल पर्यावरण के लिए लाभकारी, हरियाली बढ़ाने के साथ तापमान संतुलित करने में सहायक है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर चिनोर ग्रामीण क्षेत्र में पहुँचकर ओलावृष्टि पीड़ित ग्रामीणों से भेंट की

भोपाल। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आज ग्वालियर के ग्रामीण क्षेत्र चिनोर के ग्राम मैना, दोनी, घरसोंधा ग्राम में पहुँचकर ग्रामीणों से चर्चा की और ओलावृष्टि से हुए नुकसान की सर्वे प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

निर्माण कार्यों को दें सर्वोच्च प्राथमिकता - स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी

भोपाल। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी ने कहा है कि कोरोना काल के इस दौर में स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये, जिससे अधो-संरचनाओं का उपयोग जन-सामान्य के लिए अधिक से अधिक स्वास्थ्य सुविधाएँ देने में किया जा सके। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी गुरूवार को मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा कर रहे थे। स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संचालक स्वास्थ्य श्री रविन्द्र चौधरी और संबंधित निर्माण एजेंसियों के अधिकारी मौजूद थे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. चौधरी ने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों से कहा कि निर्माण एजेंसियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य गुणवत्ता के साथ तय समय-सीमा में करें। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में आईसीयू बेड, एसएनसीयू, पीआईसीयू वार्ड, ऑक्सीजन सपोर्टेड बेड, स्वास्थ्य केन्द्रों में बिस्तरों का विस्तार, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पतालों के नवीन भवनों के निर्माण आदि कार्यों एसएनसीयू, पीआईसीयू, लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंक और अस्पतालों में अन्य सुविधाओं को बढ़ाने के लिये किये जा रहे हैं। कोरोना काल में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिये स्वीकृत किये गये कार्यों की गंभीरता को समझें। छोटी-मोटी कमियों के रहते कार्यों को लंबित रखना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जो कार्य अपूर्ण है, उनको पूर्ण करने के समयावधि को तय करें और तय समयावधि के तहत कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित भी करें। निर्माण कार्यों के लिये जहाँ पर भूमि की उपलब्धता सहित अन्य कोई अवरोध आता है, तब संबंधित जिले के कलेक्टर से संपर्क कर उसे अविलंब दूर करें।

रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन सिस्टम आधारित बनेंगे उपकेन्द्र - ऊर्जा मंत्री श्री तोमर

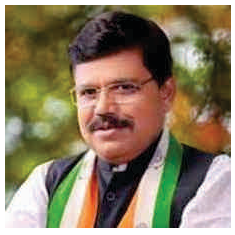

भोपाल। मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कम्पनी अब नये उपकेन्द्र रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन सिस्टम आधारित बनायेगी। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि वर्तमान उपकेन्द्रों को भी रिमोट कंट्रोल ऑपरेशन सिस्टम में बदलने के प्रयास किये जायेंगे। इससे पारेषण लाइनों के संधारण और संचालन में सुधार होगा। गुना एवं मंदसौर में परीक्षण एवं संचार वृत्त गठित : मंत्री श्री तोमर ने बताया है कि अति उच्च-दाब उपकेन्द्र और पारेषण लाइनों में हुए व्यापक विस्तार को देखते हुए अति उच्च-दाब उपकेन्द्र के संचालन के लिये मैदानी कार्यालयों के सेटअप में गुना एवं मंदसौर जिलों में परीक्षण एवं संचार वृत्तों का गठन किया गया है। साथ ही नरसिंहपुर एवं सिंगरौली में परीक्षण संभाग तथा उज्जैन, मंदसौर एवं बदनावर में 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभाग बनाये गये हैं। आष्टा, पीथमपुर एवं जुलवानिया में अस्थाई तौर पर क्रियाशील 400 के.व्ही. उपकेन्द्र संभागों को नियमित संभागों में परिवर्तित किया गया है। अति उच्च-दाब संभाग वृत्त ग्वालियर: अति उच्च-दाब लाइनों के संधारण के लिये वर्तमान में क्रियाशील 3 अति उच्च-दाब संधारण वृत्तों के अतिरिक्त एक अति उच्च-दाब संभाग वृत्त ग्वालियर का सृजन किया गया है। साथ ही क्रियाशील 8 अति उच्च-दाब संधारण संभागों के अतिरिक्त 4 अति उच्च-दाब संधारण संभाग उज्जैन, बड़वाह, बीना एवं सिवनी का सृजन किया गया है।

खबरें

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने की नए वेरिएंट ओमिक्रान के प्रसार पर राज्यों से चर्चा

मध्यप्रदेश वैक्सीनेशन और उपचार प्रबंधन में अन्य राज्यों से आगे

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा कॉफ्रेंस द्वारा राज्यों से कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रान के संक्रमण और उसके प्रबंधन के संबंध में ली गई समीक्षा बैठक में वर्चुअल भागीदारी की। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कम वैक्सीनेशन और अधिक समस्या वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, झारखंड, पंजाब आदि के मुख्यमंत्रियों से चर्चा की। स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित हुए। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने बैठक का संयोजन किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की राज्यों से चर्चा के पहले बैठक में केन्द्रीय स्वास्थ्य सचिव ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश किशोर वर्ग के लिए 3 जनवरी से प्रारंभ वैक्सीनेशन के कार्य में अच्छी स्थिति में है। प्रदेश में 15 से 18 वर्ष के किशोरों के टीकाकरण कार्य में मध्यप्रदेश में पात्र किशोरों में से 72.2 प्रतिशत को वैक्सीन का डोज लगया जा चुका है। प्रिकॉशन डोज 1 लाख 80 हजार से अधिक लोगों को लगाया गया है। इस श्रेणी में लगभग 30 प्रतिशत पात्र आबादी को टीके लगाये जा चुके हैं।

मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन कार्य के लिए जन-भागीदारी के मॉडल का उपयोग करते हुए सभी का सहयोग लेकर 11 विशिष्ट वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित किए गए हैं। अभी तक मध्यप्रदेश में 96 प्रतिशत प्रथम डोज तथा 92 प्रतिशत द्वितीय डोज के पात्र लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है,

मध्यप्रदेश में वैक्सीनेशन कार्य के लिए जन-भागीदारी के मॉडल का उपयोग करते हुए सभी का सहयोग लेकर 11 विशिष्ट वैक्सीनेशन महाअभियान संचालित किए गए हैं। अभी तक मध्यप्रदेश में 96 प्रतिशत प्रथम डोज तथा 92 प्रतिशत द्वितीय डोज के पात्र लोगों को वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है। इसी प्रकार 15-18 आयु वर्ग में और गर्भवती माताओं के टीकाकरण में भारत में सर्वाधिक टीके लगाने वाला मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य है।

इसी तरह केंद्रीय राशि के व्यय में भी मध्यप्रदेश का कार्य अच्छा है। विशेष रूप से प्रदेश में कोविड से बचाव के लिए अस्पतालों में सामान्य बेड, ऑक्सीजन बेड, एचडीयू और आईसीयू बेड, ऑक्सीजन संयंत्र, औषधियों की व्यवस्थाओं को सुनिश्चित किया गया है। भारत सरकार द्वारा 437 करोड़ 17 लाख रूपये केंद्र अंश के रूप में जारी किये गये। इसमें राज्य अंश 291 करोड़ 44 लाख करोड़ मध्यप्रदेश शासन ने जारी किये। केन्द्र और राज्य का अंश सम्मिलित करते हुए कुल 728 करोड़ 61 लाख करोड़ रूपये की उपलब्ध राशि के मुकाबले राज्य ने 398 करोड़ 33 लाख का व्यय किया है। व्यय प्रगति में राष्ट्रीय स्तर पर मध्यप्रदेश प्रथम पाँच राज्यों में शामिल है। प्रधानमंत्री श्री मोदी की पहल पर इस वर्ष प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रा-स्ट्रक्चर मिशन शुरू किया गया है। इसमें डिस्ट्रिक्ट इन्टीग्रेटेड पब्लिक हैल्थ लेब, जिला अस्पतालों तथा चिकित्सा महाविद्यालयों में 50 बिस्तरीय क्रिटीकल ब्लाक बनाए जा रहे हैं। वर्ष 2021-22 के लिए भारत सरकार ने इस मद में 126 करोड़ 25 लाख रूपए की मंजूरी मिली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रेजेंटेशन में बताया गया कि देश में 92 प्रतिशत लोग प्रथम डोज लगवा चुके। इसी तरह लगभग 70 प्रतिशत पात्र नागरिक दूसरा डोज़ लगवा चुके हैं। देश में 15 से 18 आयु वर्ग के 3 करोड़ किशोरों को वैक्सीनेट किया जा चुका है। भारत में बड़ी आबादी वेक्सीन लगवा चुकी है। कुल 1 अरब 54 करोड़ 61 लाख वैक्सीन डोज लग चुके हैं।

हम्माल ने इंदौर के बदमाशों को बुलाकर की थी साढ़े तीन लाख की लूट

उज्जैन। रुनिजा में सोमवार को मटर फली कारोबारी के मुनीम के हाथ से बाइक सवार बदमाश साढ़े तीन लाख रुपयों से भरा बैग छीन ले गए थे। लूट के मामले में पुलिस को सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपित कारोबारी के यहां हम्माली करता था। उसने ही इंदौर के बदमाशों को कारोबारी के बारे में पूरी जानकारी दी और वारदात करवाई थी। हम्माल को उसके घर तथा बदमाशों को देपालपुर कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों से वारदात में प्रयुक्त बाइक भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार रुनिजा के मुख्य मार्ग पर मटर फली का थोक कारोबार होता है। बड़ी संख्या में किसान यहां अपनी उपज बेचने आते हैं। सोमवार को व्यापारी जाकिर पटेल खरीदी करने आए थे। उनके साथ उनका मुनीम शिवांग राठौर निवासी बदनावर था। शिवांग के हाथ में साढ़े तीन लाख रुपयों से भरा बैग था। मटर की खरीदी के दौरान एक बाइक पर दो बदमाश वहां आए। इनमें से एक ने मुनीम से बैग छीना और बाइक से सुंदराबाद होते हुए बड़नगर की ओर भाग निकले। व्यापारी की शिकायत पर पुलिस ने जांच की थी।

सीसीटीवी फुटेज में दिखे थे बाइक से जाते हुए: दोनों बदमाश बाइक से जाते हुए सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने कारोबारी के यहां पूर्व में हम्माली करने वाले मुश्ताक निवासी ग्राम खेड़ावदा को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में उसने बताया कि वह कुछ समय पूर्व एक मामले में इंदौर की जेल में बंद था। जहां उसकी मुलाकात रवि नामक बदमाश से हुई थी। उसने ही रवि को फोन कर कारोबारी के बारे में जानकारी दी थी। वारदात वाले दिन भी रवि और उसका दोस्त रुनिजा आए तो उसने ही कारोबारी व उसके मुनीम का चेहरा बताया और बैग छीनने को कहा था। पुलिस ने रवि और उसके साथी को देपालपुर कोर्ट के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। बताया जा रहा है कि दोनों एक मामले में पेशी के लिए कोर्ट आए थे। दोनों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त बाइक व रुपये बरामद कर लिए हैं। पुलिस दोनों से अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ में जुटी है।

सर्दी से राहत नहीं, न्यूनतम तापमान 8.5 डिग्री

उज्जैन। शुक्रवार को सूर्य उत्तरायण हो गया, मगर सर्दी से लोगों को किसी तरह की राहत नहीं मिली। न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे ही रहा। सर्द हवाओं के कारण लोग भरी दोपहर में भी कंपकंपाते नजर आए। मौसम विभाग ने शनिवार को भी मौसम सामान्य से अधिक सर्द रहने का अनुमान जताया है। जीवाजी वेधशाला के अनुसार शुक्रवार को चौबीस घंटों में दिन का अधिकतम तापमान 20 डिग्री से उछलकर 20.5 डिग्री और रात का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री से उछलकर 8.6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा है। हवा की गति 4 किलोमीटर प्रति घंटा रही है। खगोलीय घटना स्वरूप शनिवार से धीरे-धीरे दिन बड़े और राते छोटी होने लगेंगी। 21 मार्च को दिन-रात बराबर होंगे।

भाजपा खेल प्रकोष्ठ वर्षभर करेगा खेलों का आयोजन

रतलाम। भाजपा खेल प्रकोष्ठ द्वारा खेल चेतना मेला से प्रेरित होकर वर्षभर ग्राम से तहसील व जिला तथा वार्ड से नगर व प्रदेश स्तर तक खेलों के आयोजन किए जाएंगे। इन आयोजनों की रूपरेखा पर विचार के लिए प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक श्रवण मिश्रा रतलाम आए। उन्होंने क्रीड़ा भारती के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष, विधायक चेतन्य काश्यप से मुलाकात कर खेल आयोजनों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। खेल प्रकोष्ठ संयोजक मिश्रा ने रतलाम सहित मंदसौर, नीमच जिले में क्रीड़ा भारती व चेतन्य काश्यप फाउंडेशन द्वारा आयोजित होने वाले खेल चेतना मेला के लिए की जाने वाली तैयारियों की जानकारी ली।

स्कूल में बच्चों को वैक्सीन नहीं लगी तो संचालक पर होगी एफआइआर

रतलाम। स्कूलों में संस्था प्रमुख सुनिश्चित करें कि अभियान में उनके यहां के सभी बच्चे शत-प्रतिशत वैक्सीनेटेड हो जाएं। यदि किसी स्कूल या संस्थान में 15 वर्ष से 17 वर्ष आयु के बगैर वैक्सीन के बच्चे पाए गए तो संबंधित संस्था प्रमुख पर धारा 188 एवं महामारी अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कराया जाएगा। जिले में बच्चों के शत-प्रतिशत वैक्सीनेशन को लेकर कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने यह निर्देश जारी किए हैं। बच्चों के वैक्सीनेशन को लेकर एक विशेष बैठक कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम द्वारा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शुक्रवार को आयोजित की। कलेक्टर ने कहा कि शनिवार तथा रविवार को जिले में 24 हजार बच्चों को वैक्सीनेट किया जाएगा। मालूम हो कि 15 से 18 वर्ष आयु वर्ग में कुल 93984 को टीका लगाया जाना है।इसमें से 69079 को टीके लगाए जा चुके हैं। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि टीकाकरण से जुड़े किसी भी अधिकारी, कर्मचारी को शनिवार, रविवार को अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा। वे मुख्यालय से बाहर नहीं जाएंगे। किसी भी अधिकारी ने अपने अधीनस्थ को अवकाश प्रदान किया तो वह जिम्मेदार रहेगा। दो दिवसों में कलेक्टर द्वारा टीकाकरण के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए। सबसे ज्यादा गेप बाजना क्षेत्र की बताई गई। कलेक्टर ने कहा कि शनिवार, रविवार के वैक्सीनेशन के लिए वाहनों की आवश्यकता की पूर्ति की जाएगी। इसके लिए रोगी कल्याण समिति से भुगतान किया जाएगा। समग्र डाटा लेकर ग्राम पंचायत सचिवों को डाटा उपलब्ध कराया जाए।

खबरें

यातायात पुलिस ने शहर में चलाया अभियान, कागजात नहीं मिलने पर गाड़ियां की जब्त।

इंदौर में शराब पीकर चला रहा था वाहन, 40 बार पहले भी ई-चालान बना लेकिन नहीं भरा जुर्माना

इंदौर। ट्रैफिक पुलिस लगातार यातायात सुधार की दिशा में काम कर रही है। शुक्रवार को शहर के टाटा मैजिक चालकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने मुहिम छेड़ी। एक मैजिक चालक नशे में गाड़ी चलाता हुआ मिला। उस गाड़ी के पुराने चालान देखे तो 40 ई-चालान मिले जो उसने नहीं भरे थे। टीम ने इसके अलावा कई और भी मैजिक गाड़ी जब्त की है।

ट्रैफिक पुलिस के उपायुक्त महेशचंद्र जैन ने शुक्रवार को अपने मातहतों को शहर की सड़कों पर बेतरतीब तरीके से दौड़ने वाली टाटा मैजिक गाड़ियों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। इस कड़ी में थाना प्रभारी यातायात दिलीप सिंह परिहार, सूबेदार सुमित बिलोनिया, सूबेदार राजेंद्र सिंह और टीम ने तेजाजी नगर रोड पर चेकिंग अभियान चलाया। टीम ने एक टाटा मैजिक गाड़ी नंबर एमपी 09 टी 6296 को रोककर उसके चालक की ब्रीथ एनलाइजर से जांच की तो वह नशे में गाड़ी चलाते मिला। पुलिस ने उसकी गाड़ी को जब्त कर लिया। जब उसकी गाड़ी के पुराने चालान देखे गए तो 40 ई-चालान लंबित मिले। उसके अलावा तीन और टाटा मैजिक गाड़ियों को भी टीम ने पकड़ा, जिनके पास दस्तावेज नहीं थे। कुल छह मैजिक गाड़ियों को शहर के अलग-अलग इलाकों से पकड़ा गया। यातायात नियमों का पालन करें - यातायात पुलिस उपायुक्त जैन ने अनुरोध किया है कि वाहन चालक जिम्मेदारी के साथ यातायात नियमों का पालन करते हुए गाड़ी चलाएं नहीं तो यातायात पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। जैन ने बताया कि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों में लापरवाह वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। टाटा मैजिक चालकों के खिलाफ भी मुहिम चलती रहेगी।

निरीक्षण के दौरान लापरवाही मिली, इंदौर निगमायुक्त ने जोनल अधिकारी और ड्रेनेज सुपरवाइजर को किया निलंबित

इंदौर। निगमायुक्त प्रतिभा पाल ने शनिवार सुबह शहर की सफाई व्यवस्था के साथ ही अहिल्या पलटन, जूना रिसाला, सिकंदराबाद एवं सदर बाजार क्षेत्र के नदी-नालों एवं सीवरेज सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान नाले किनारे पूर्व से डली सीवरेज लाइन चौक एवं क्लियर नहीं होने के साथ ही सीवरेज चेंबर के ढक्कन खुले पाए गए। इससे नाराज आयुक्त ने जोन 1 क्षेत्रीय जोनल अधिकारी विनोद अग्रवाल, ड्रेनेज सुपरवाइजर योगेश बिलरवाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए।

आयुक्त ने सुबह 8 बजे अहिल्या पल्टन नदी-नाला सफाई अभियान के तहत किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान अहिल्या पलटन के दोनों ओर नाले किनारे सीवरेज लाइन डालकर घरेलू सीवरेज कनेक्शन लाइन से जोड़ने निर्देश अधिकारियों को दिए। इसके बाद उन्होंने सिकंदराबाद कालोनी, सदर बाजार एवं जूना रिसाला क्षेत्र के नाला सफाई का भी निरीक्षण किया। सदर बाजार निरीक्षण के दौरान एसएफ की ओर से आने वाली सीवरेज लाइन को सदर बाजार की लाइन में जोड़ने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप सोनी, सहायक यंत्री सुनील गुप्ता, जोनल अधिकारी 33 वसंत गोगडे एवं अन्य उपस्थित थे। जेल रोड भी पहुंचीं आयुक्त - आयुक्त ने जेल रोड क्षेत्र का भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान जेल रोड की गलियों में ओपन नालियों के स्थान पर लाइन डालकर उन्हें ढंकने के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने जेल रोड स्थित ज्योति एवं अलका सिनेमा रोड के आसपास और होर्डिंग एवं बैनर लगे पाए जाने पर रिमूवल विभाग को इन्हें हटाने के निर्देश भी दिए।

इंदौर में सेल्फ मीटर रीडिंग के लिए अब उपभोक्ताओं को मिलेगी ज्यादा सुविधा

इंदौर। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने नव वर्ष में सेल्फ मीटर रीडिंग प्रक्रिया में बदलाव कर उपभोक्ताओं को पहले के मुकाबले ज्यादा सुविधा दी है। पहले माह में 1 से 5 तारीख तक ही सेल्फ मीटर रीडिंग की सुविधा थी। अब बिलिंग शेड्यूल के अनुसार माह में कभी भी तय दिन उपभोक्ताओं को मिलेंगे। प्रत्येक जोन व वितरण केंद्र की स्थानीय व्यवस्था के आधार पर तय दिनों की जानकारी उपभोक्ताओं को ऊर्जस एप नोटिफिकेशन के साथ ही पंजीकृत मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से दी जा रही है। मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री सुनील पाटौदी ने बताया कि प्रबंध निदेशक अमित तोमर के आदेश पर सेल्फ फोटो मीटर रीडिंग प्रकिया को आसान बनाया गया है। अब उपभोक्ताओं को ऊर्जस एप के माध्यम से रीडिंग भेजने की सुविधा संबंधित जोन, वितरण केंद्र के बिलिंग शेड्यूल के आधार पर मिलेगी। यह माह की 1 से 30 तारीख तक कभी भी हो सकती है। इस दौरान शेड्यूल अवधि में दर्ज सेल्फ पीएमआर बिलिंग में स्वीकार की जाएगी और इसी आधार पर बिल तैयार होंगे। एसएमएस से मिलेगी मीटर रीडिंग दर्ज होने की सूचना - अधीक्षण यंत्री पाटौदी ने बताया कि सेल्फ पीएमआर भेजने वालों को एसएमएस से भी रीडिंग दर्ज होने की सूचना मिलेगी। इसी रीडिंग के हिसाब से बिजली बिल तैयार होगा। बिजली कंपनी सेल्फ मीटर रीडिंग प्रक्रिया से तैयार बिल पर रीडर के नाम की जगह सेल्फ मीटर रीडिंग भी दर्ज करेगी। यह टीप उपभोक्ता संतुष्टि के लिए कारगर साबित होगी।

सम्पादकीय

जनजातीय उद्यमिता का केन्द्र बन रहा है मध्यप्रदेश

मध्यप्रदेश का जनजातीय समाज अपनी बहुरंगी संस्कृति और सीधे-सरल व्यवहार के लिए जाना जाता है। आर्थिक अवसरों से दूर रहने के कारण गरीबी का सामना करने वाले जनजातीय बंधुओं ने अब आर्थिक उद्यमिता की राह पकड़ ली है। राज्य सरकार के श्रंखलाबद्ध प्रयासों के कारण जनजातीय समाज ने आर्थिक उदयमिता और नई सूक्ष्म आर्थिक गतिविधियों को अपनाने की ओर कदम बढ़ाया है। पिछले डेढ़ दशकों में कई उदाहरण सामने आए हैं जो साबित करते हैं कि प्राकृतिक संसाधनों पर जीवन बिताने वाले समाज की युवा पीढ़ी अब अपनी आर्थिक गतिविधियाँ शुरू कर अपना जीवन-स्तर सुधारना चाहती है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आदिवासी वर्ग के युवाओं और व्यापारिक गतिविधियों को अपनाने के इच्छुक व्यक्तियों के लिए कई योजनाएँ - परियोजनाएँ शुरू की हैं, जो उनके लिए वरदान साबित हो रही हैं।

जनजातीय बहुल क्षेत्रों में कई आर्थिक गतिविधियाँ उभर आई हैं। पारंपरिक आर्थिक गतिविधियाँ जैसे बकरी पालन, मुर्गी पालन, मछली पालन से अलग हट कर गैर-कृषि आर्थिक गतिविधियों की संख्या बढ़ी है। बालाघाट के चिरगांव में जनजातीय महिलाओं ने अपनी उद्यमिता का परिचय देकर एक राइस मिल का संचालन शुरू कर दिया है। कल ये महिलाएँ इस राइस मिल में मजदूर के बतौर काम कर रही थीं और आज वे इस मिल की मालिक बन गई हैं। लॉकडाउन में मालिक इस राइस मिल बेचना चाहता था। इन महिलाओं ने तय किया कि वह अपना समूह बनायेंगी, इस मिल को खरीदेंगी और खुद इसे सफलता से चलायेंगी। महिलाओं की इस उद्यमशीलता का प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी मन की बात कार्यक्रम में चर्चाकर उनकी सराहना की थी। अब यह महिलाएँ मिलकर महीने में तीन लाख तक का मुनाफा कमा रही हैं और अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए नई रणनीतियाँ बनाने में जुटी हैं। सीधी जिले में आदिवासी महिलाएँ कोदो को अपनी आजीविका का आधार बनाने में जुटी हैं। केंद्रीय जनजाति विश्वविद्यालय अमरकंटक और सीधी जिला प्रशासन अपने समन्वित प्रयासों से 'सोनांचल कोदो' नाम का ब्रांड बाजार में उतारने की तैयारी कर रहे हैं। इस पहल से आदिवासी महिलाएँ सीधे जुड़ी हैं। वे कोदो को अपनी आर्थिक-आत्मनिर्भरता का प्रतीक बनाने के लिए प्रयास कर रही हैं। जल्दी ही 'सोनांचल कोदो' ब्रांड बाजार में उपलब्ध हो जायेगा। इसी प्रकार डिंडोरी जिले की आदिवासी महिलाओं ने कोदो-कुटकी के कई उत्पाद तैयार कर 'भारती ब्रांड' के नाम से बाजार में उतारा है। जिले के 41 गाँव की बैगा जनजाति की महिलाओं ने कोदो-कुटकी की खेती शुरू कर दी है। करीब 1500 महिलाओं ने प्रयोग के तौर पर 700 एकड़ जमीन पर कोदो-कुटकी की खेती करना शुरू कर दिया है। वर्ष 2012 में शुरू हुआ यह प्रयास दो-तीन सालों में ही परिणाम देने लगा। कोदो का उत्पादन लगभग 15,000 क्विंटल तक तक पहुँच गया। कोदो के उत्पादों की लोकप्रियता को देखते हुए अब पास में ही नैनपुर में एक प्र-संस्करण यूनिट ने अपना काम करना शुरू कर दिया है। परिणाम यह रहा कि अब डिंडोरी जिले में बड़े पैमाने पर कोदो-कुटकी की खेती हो रही है और उन्हें अच्छे दाम भी मिल रहे हैं।

डिंडोरी जिले के जनजातीय किसान श्री रामनिवास मौर्या अनाज बैंक का भी संचालन करते हैं। इसके माध्यम से वे किसानों को कोदो-कुटकी के बीज उपलब्ध कराते हैं ताकि कोदो-कुटकी का उत्पादन बढ़ता रहे। वे बताते हैं कि पिछले कुछ साल में कोदो-कुटकी जैसे मोटे अनाजों की माँग बाजार में बढ़ी है। कोदो-चुटकी को कम पानी में भी उगाया जा सकता है इसलिए इसकी उत्पादन लागत भी कम है।

फलम संपदा कंपनी : अब यह बीते दिन की बात हो गई जब कोदो-कुटकी खाने वालों को गरीब माना जाता या। कोदो-कुटकी अब स्वास्थ्यवर्धक आहार में शामिल है। स्वास्थ्य प्रति जागरूक हो रहे शहरी लोगों की पहली पसंद बन गया है। खान-पान की आदत में आये इस बदलाव को आर्थिक अवसर बनाते हुए छिंदवाड़ा जिले के आदिवासी बहुल की डोब ग्राम पंचायत के एक दूरस्थ जमुनिया गाँव में जनजातीय तामिया विकासखंड की डोब ग्राम पंचायत के एक दूरस्थ जमुनिया गाँव में जनजातीय किसानों की एक फलम सम्पदा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी ने प्राकृतिक खाद्य पदार्थों की एक विस्तृत श्रंखला पेश की है। फलम सम्पदा कंपनी दो दर्जन से ज्यादा उत्पाद बनाती है जिसमें शहद, महुआ कुकीज, कोदो कुकीज़, मल्टीग्रेन आटा, मक्का टोस्ट, पैक्ड इमली, जामुन सिरका, त्रिफला आयुर्वेदिक पाउडर, आँवला पाउडर, समा भात, कोदो बिस्कुट और मक्का आटा शामिल हैं।

वन्य जीव संरक्षण में आदर्श राज्य बना मध्यप्रदेश

वन्य प्राणी के स्वच्छंद विचरण से प्रकृति का सौंदर्य कई गुना बढ जाता है। वन्य प्राणी आम-जन के आस-पास रहते हुए सह-अस्तित्व की स्थिति का स्मरण कराते रहते हैं। मध्यप्रदेश को प्रकृति ने अति समृद्ध हरित प्रदेश बनाया है। मध्यप्रदेश ने इसलिये वन्य प्राणी संरक्षण और प्रबंधन पर विशेष ध्यान देकर वन्य प्राणी समृद्ध प्रदेश बनाने में किसी प्रकार का कोई प्रयास नहीं छोडा। परिणाम सामने है कि प्रदेश को टाइगर स्टेट का दर्जा हासिल है। अब तेंदुओं की संख्या भी देश में सबसे ज्यादा है। घड़ियाल और गिद्धों की संख्या के मामले में राष्ट्रीय स्तर पर नम्बर-वन बनने की स्थिति में आ चुका है। सुखद पहलू यह है कि सतपुड़ा टाईगर रिजर्व को यूनेस्कों की विश्व धरोहर स्थल की संभावित सूची में शामिल किया गया है। सतपुड़ा टाईगर रिजर्व बाघ सहित कई वन्य-जीवों की आदर्श आश्रय स्थली और प्रजनन के सर्वाधिक अनुकूल स्थान है।

मध्यप्रदेश बना रहेगा टाइगर स्टेट : तीन साल पहले वर्ष 2018 में हुई बाघों की गणना में 526 बाघ होने के साथ प्रदेश को टाईगर स्टेट का दर्जा मिला। इन बाघों में लगभग 60 फीसदी टाइगर रिजर्व के क्षेत्रों और 40 फीसदी बाघ अन्य वन क्षेत्रों में उपलब्ध हैं। बांधवगढ टाइगर रिजर्व में सर्वाधिक 124 बाघ मौजूद हैं। इस साल अक्टूबर माह में तीन चरणों में होने वाली बाघों की गणना के प्रारम्भिक रूझानों के आधार पर विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि बाघों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश पुन: टाप पर होगा। यह संख्या 700 से ज्यादा होने की उम्मीद है। टाइगर स्टेट का दर्जा दिलाने में अति विशिष्ट योगदान देने वाली पेंच टाइगर रिजर्व की 'कालर कली' बाघिन का नाम विश्व में सबसे ज्यादा प्रसव और शावकों के जन्म का अनूठा कीर्तिमान भी है।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में पिछले डेढ़ दशक के दरम्यान श्रेष्ठ और सतत वन्य प्राणी प्रबंधन के प्रयासों से यह मुकाम हासिल हुआ है। संरक्षित क्षेत्रों के बाहर के वनों में वन्य-प्राणी प्रबंधन, पशु-हानि, जन-घायल एवं जन-हानि प्रकरणों की दक्षता एवं त्वरित निपटारा, मानव वन्य-प्राणी द्वन्द का श्रेष्ठ प्रबंधन, वन्य-प्राणी अपराध पर कठोर नियंत्रण, वन्य-प्राणी रहवासों का बेहत्तर प्रबंधन, स्थानीय समुदायों के संरक्षण प्रयासो में भागीदारी, संरक्षित क्षेत्रों से ग्रामों का विस्थापन और उच्च गुणवत्ता के अतिरिक्त वन्य-प्राणी रहवासों की उपलब्धता आदि के बेहत्तर क्रियान्वयन से प्रदेश को यह गौरवान्वित करने वाली उपलब्धियाँ हासिल हुई हैं। बालाघाट जिले के क्षेत्रीय वन मण्डलों में 9 साल पहिले तक बाघों की संख्या शून्य थी जबकि कान्हा पेंच कॉरिडोर का महत्वपूर्ण घटक है और हमेशा से इन वन मंडलों के उत्कृट वन क्षेत्र रहे है। विभागीय सतत् प्रयासों का नतीजा यह हुआ कि इन वन मण्डलों में अब 30 से 40 बाघों की उपस्थिति पाई जाती है। उत्तर शहड़ोल, उमरिया, कटनी, दक्षिण सिवनी, छिन्दवाड़ा, बैतूल, होशंगाबाद, भोपाल और सीहोर आदि जिलों के वन क्षेत्र इसी तरह के उदाहरण हैं।

तेन्दुओं की संख्या देश में सबसे ज्यादा : पिछले साल के अंत में केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री द्वारा तेन्दुए की आबादी की अखिल भारतीय आकंलन की प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार देशभर में 12 हजार 852 तेन्दुए थे। अकेले मध्यप्रदेश में यह संख्या 3 हजार 421 आंकी गई है। देश में तेन्दुए की आबादी में औसतन 60 फीसदी वृद्धि हुई जबकि प्रदेश में यह वृद्धि 80 फीसदी थी। देशभर में तेन्दुओं की संख्या में 25 प्रतिशत अकेले मध्यप्रदेश में है।

गिद्ध और घडियाल बने शान : इस वर्ष हुई प्रदेश व्यापी गिद्ध गणना के अनुसार प्रदेश में 9446 गिद्ध प्रदेश में थे जो अन्य राज्यों की तुलना में सर्वाधिक है। राजधानी भोपाल के केरवा इलाके में 2013 में 'गिद्ध संरक्षण और प्रजनन केन्द्र स्थापित किया गया था। इसे बाम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी और प्रदेश सरकार द्वारा संयुक्त रूप से संचालित है।'

वाइल्ड लाइफ ट्रस्ट इंडिया द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट में सबसे अधिक 1859 घड़ियाल चम्बल अभ्यारण्य में हैं। चार दशक पहले घड़ियालों की संख्या खत्म होने के मुहाने में थी तब दुनिया भर में 200 घडियाल ही बचे थे। इनमें से तब भारत में 96 और चम्बल नदी में 46 घड़ियाल थे।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

अधिकांश लोग नियमित रूप से नहीं धोते हैं अपना मास्क, सर्वे में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

एजेंसी,ब्रिटेन : अधिकांश लोग नियमित रूप से नहीं धोते हैं अपना मास्क, सर्वे में हुआ चौंकाने वाला खुलासा कोरोना महामारी की दस्तक के बाद से मास्क पहनना अनिवार्य हो गया है। लोग इसका पालन भी करते हैं। मगर, मास्क की साफ-सफाई के मामले में वे फिसड्डी साबित होते हैं। ब्रिटेन में हुए एक हालिया सर्वे में यह बात सामने आई है। दो हजार लोगों पर हुए सर्वे में आधे लोगों ने यह स्वीकार किया कि वे एक ही मास्क को बिना धोए दस बार तक पहनते हैं।

मास्क धोना भूल जाते है- वहीं 46 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे अपना फेसमास्क नियमित रूप से नहीं धोते हैं, क्यों वे ऐसा करना भूल जाते हैं। एक चौथाई लोगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने एक ही मास्क का इस्तेमाल एक साल से भी अधिक समय तक किया। उन्होंने शायद ही कभी अपने मास्क को धोने के लिए वाशिंग मशीन में डाला होगा। सर्वे में शामिल 25 प्रतिशत लोगों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपनी इस अस्वच्छ आदत को बदला और जिस तरह से वे 12 महीने पहले मास्क पहनते थे, वैसे अब नहीं पहनते हैं।

एक ही मास्क से काम चलाते है- सरकार द्वारा सूचीबद्ध कोविड परीक्षण प्रदाता मेडिक्सपॉट के एक प्रवक्ता ने कहा कि मुख्य रूप से हम अपने फेसमास्क अपनी जेब या कार में रखते हैं। इसलिए उन्हें अक्सर उस तरह नहीं धो पाते, जैसे अपने कपड़ों को नियमित रूप से धोते हैं।

दूसरा हम मास्क दिनभर नहीं पहनते, बल्कि किसी-किसी वक्त पहनते हैं, जैसे स्टोर में कुछ सामान खरीदते जाते वक्त। हालांकि, उस कम समय में भी मास्क हमारे सांस लेने से लेकर प्रदूषण तक और निश्चित रूप से संभावित वायरस कणों से गुजरता हैं। एक औसत ब्रिटिश पांच बार पहनने के बाद अपना मास्क धोता है। वहीं दस में से एक ब्रिटिश मास्क को धोने से पहले करीब पंद्रह बार पहनता है। पांच में से एक व्यक्ति के पास पहनने के लिए एक ही मास्क होता है। अगर वह उसे धो देता है तो उसके पास पहनने के लिए दूसरा मास्क नहीं होता है।

खराब होने के डर से नहीं धोते- अन्य 13 प्रतिशत लोग इस बात को लेकर चिंतित रहते हैं कि उनका मास्क इतना नाजुक है कि धोने पर खराब हो जाएगा। 51 प्रतिशत लोग अपना फेसमास्क कोट की जेब में रखते हैं। 41 प्रतिशत लोग अपने बैग में रखते हैं और 33 प्रतिशत लोग कार में मास्क रखते हैं।

आपकी फेवरेट सॉफ्ट ड्रिंक दोगुना कर देती है आंतों के कैंसर का खतरा, महिलाएं खासकर बचकर रहें

कैंसर किसी को भी हो सकता है, लेकिन अनियमित जीवनशैली से कैंसर होने का जोखिम ज्यादा बढ़ जाता है। एक अध्ययन की मानें तो लोकप्रिय सॉफ्ट ड्रिंक के ज्यादा सेवन से आंतों के कैंसर होने का खतरा दोगुना हो जाता है। आंतों का कैंसर मानव जीवन का दूसरा सबसे बड़ा हत्यारा माना जाता है। यह बड़ी आंत में कोशिकाओं के बढ़ने के कारण होता है, जो पाचन तंत्र के अंतिम सिरे और मलाशय से बना होता है। चूंकि, कैंसर से ग्रस्त कोशिकाएं शरीर में बहुत तेजी से फैलती हैं, इसलिए बीमारी का पता लगाना काफी कठिन हो सकता है।

कैसे बढ़ रहा खतरा : जर्नल गट के शोध से पता चला है कि जो लोग खास तौर पर महिलाएं रोजाना दो या दो से अधिक चीनी-मीठे पेय पदार्थ का सेवन करते हैं, उनमें 50 वर्ष की आयु से पहले आंतों के कैंसर होने की संभावना दोगुनी पाई गई है।।

हर दिन तीन तरह के पेय पदार्थ का सेवन करती है अमेरिका की 12त्न आबादी

ब्रिटिश मेडिकल जर्नल (बीएमजे) के आंकड़े बताते हैं कि चीनी से बने मीठे पेय पदार्थ, शीतल पेय, फलों के स्वाद वाले पेय, खेल और ऊर्जा बढ़ाने वाले पेय पदार्थ अमेरिकी आहार में 39त्न अतिरिक्त चीनी बनाते हैं। यह भी पाया गया कि अमेरिका की 12त्न आबादी हर दिन तीन तरह के पेय पदार्थ का सेवन करती है। जर्नल गट में प्रकाशित हालिया शोध में चीनी-मीठे पेय पदार्थों और आंतों के कैंसर के विकास के जोखिम के बीच संबंध का पता चला है।

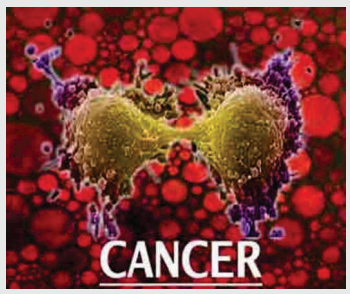

95,464 प्रतिभागियों की निगरानी : जर्नल गट के अध्ययन में 24 वर्षों में 95,464 प्रतिभागियों की निगरानी की गई। इसमें इस बात का ध्यान रखा गया कि उन्होंने क्या खाया और पिया। साथ ही आंतों के कैंसर को लेकर उनका पारिवारिक इतिहास और जीवन शैली पर नजर रखी गई। अध्ययन में पता चला कि 109 महिलाओं में 50 वर्ष की आयु से पहले आंतों का कैंसर हो गया।

रोग के उच्च जोखिम से जुड़ा हुआ है पेय पदार्थ : चीनी-मीठे पेय का अधिक सेवन रोग के उच्च जोखिम से जुड़ा हुआ है। बताया गया कि जो महिलाएं हर दिन दो या दो से अधिक पेय पदार्थ पीती थीं, उनमें आंतों का कैंसर विकसित होने की संभावना दोगुनी थी। जो सप्ताह भर में एक से कम पेय पदार्थ पीती थीं, उनको कैंसर होने की संभावना कम थी।

रोजाना पेय पदार्थ के सेवन को 16 फीसदी अधिक जोखिम में जोड़ा गया, जो किशोरावस्था के दौरान प्रति दिन 32त्न तक बढ़ गया था। यदि इन पेय पदार्थों को दूध या स्वास्थ्यवर्धनक पेय पदार्थों से प्रतिस्थापित किया जाता है तो आंतों के कैंसर का खतरा 36 फीसदी तक कम हो जाता है।

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

नीट में EWS आय सीमा पर कल हो सकती है सुनवाई, केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से किया अनुरोध

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय से राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)- पीजी काउंसलिंग मामले की जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया। न्यायमूर्ति डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने 'विशेष उल्लेख' के तहत सरकार का पक्ष रखते हुए कहा कि नीट-पीजी (ईडब्ल्यूएस) मामले की शीघ्र सुनवाई के जाने की जरूरत है। उन्होंने अदालत से गुहार लगाई कि पहले तय की गई छह जनवरी के बजाय मंगलवार को सुनवाई की जाए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सरकार के गुहार पर कहा कि पीठ इस मामले में मुख्य न्यायाधीश एन. वी. रमना की सलाह के बाद कोई फैसला लेगी।

यह मामला मेडिकल स्नातकोत्तर स्तर की कक्षाओं में नामांकन से जुड़ा हुआ है। नामांकन के लिए होने वाली काउंसलिंग (नीट पीजी काउंसलिंग) में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण के लिए वार्षिक आय मानदंड तय करने को लेकर शीर्ष अदालत सुनवाई कर रही है।

ईडब्ल्यूएस के लिए मौजूदा मानदंड कायम रहेगा-केंद्र: नीट पीजी काउंसलिंग मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण में आठ लाख रुपये की सालाना आय का मौजूदा मानदंड बना रहेगा। अपने हलफनामे में सरकार ने कहा कि विशेषज्ञ समिति ने गंभीरता से इसकी सिफारिश की है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ छह जनवरी को मामले की सुनवाई करेगी। सरकार के मुताबिक, समिति ने कहा कि आय के मानकों को अगले शैक्षणिक सत्र से बदला जा सकता है। ईडब्ल्यूएस कोटा के लिए सालाना आय सीमा आठ लाख ही रहेगी, लेकिन इसमें उन परिवारों को शामिल नहीं किया जाएगा, जिनके पास पांच एकड़ या उससे ज्यादा भूमि है।

केंद्र सरकार ने आरक्षण के लिए वार्षिक आय आठ लाख रुपए की सीमा तय कर रखी है। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से आठ लाख रुपए तय करने के तौर-तरीकों के बारे में जानकारी देने को कहा था लेकिन सरकार ने पिछली कई तारीखों के दौरान कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दे पाई। इसके बाद पीठ ने नीट- पीजी काउंसलिंग प्रक्रिया पर अस्थाई रोक लगा दी थी। काउंसलिंग नहीं होने के कारण अभ्यार्थी (डॉक्टर) लगातार आंदोलन कर रहे हैं। नामांकन के अभ्यार्थी डॉक्टरों ने पिछले दिनों हड़ताल और सड़कों पर प्रदर्शन किए थे। इस वजह से ही राजधानी दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुई थीं।

दिल्ली विश्वविद्यालय में ई लर्निंग के लिए बनेगा डिजिटल प्लेटफार्म

दिल्ली विश्वविद्यालय ई लर्निंग के लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म बनाने की तैयारी कर रहा है। इसकी मदद से किसी आपदा के समय भी छात्रों की पढ़ाई बाधित नहीं होगी। योजना के लिए सात कॉलेजों व एक विभाग को जल्द 5-5 लाख रुपये की राशि वीडियो साउंड प्रूफ लैब बनाने के लिए जारी होगी। विगत वर्ष अगस्त माह में इसके लिए समिति भी बन चुकी है जिसकी कई बैठकों के बाद कॉलेजों से उनके यहां डिजिटल वीडियो लैब शुरू करने की योजना है। जिसमें शिक्षण के ऑडियो वीडियो कंटेट रिकार्ड किए जाएंगे और उनको एक प्लेटफार्म पर लाया जाएगा। जिससे डीयू के छात्र कोविड या किसी भी आपदा के तहत कक्षा नहीं ले पा रहे हैं तो उसका उपयोग कर सकते हैं। ज्ञात हो कि इस तरह की एक पहल शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैसिव ऑनलाइन कोर्स के रूप में की जा रही है। डीयू ने दिल्ली यूनिवर्सिटी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट फॉर कॉलेज एंड डिपार्टमेंट नाम से इसके लिए समिति बनाई है। समिति के चेयरमैन प्रो. पंकज अरोड़ा का कहना है कि जल्द ही चयनित कॉलेजों व विभाग के लिए उपकरण हेतु धनराशि जारी की जाएगी। यह कार्य इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ लांग लर्निंग डिपार्टमेंट कॉलेज व विभागों के सहयोग के साथ करेगा और उनको इस दिशा में प्रशिक्षित भी करेगा।

इस समिति के सदस्य और महाराजा अग्रसेन कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो.संजीव तिवारी का कहना है कि इस प्रोजेक्ट के लिए मेरा कॉलेज भी चयनित है। 20 जनवरी तक हमें वीडियो लैब संबंधित जानकारी भेजनी है। हमारे यहां साउंड प्रूफ लैब के लिए टेंडर भी जारी हो गया है।

इसके माध्मय से छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षा के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा। डीयू का इंस्टीट्यूट ऑफ लाइफ लांग लर्निंग (आईएलएलएल) इसके लिए एक नोडल संस्थान है। इसका काम केवल मूलभूत सुविधाएं विकसित करना ही नहीं बल्कि उन सुविधाओं को प्रभावी ढंग से प्रयोग करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करना भी होगा।

सीबीसीएस पाठ्यक्रमों की होगी रिकार्डिंग: एक अन्य सदस्य का कहना है कि इसके माध्मय से च्वाइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम (सीबीसीएस) के कोर्स की वीडियो रिकार्डिंग होगी। बहुत संभावना है कि उसे यूट्यूब या किसी अन्य डिजिटल प्लेटफार्म पर डाला जाए ताकि देश भर के बच्चों के लिए यह कारगर हो सके।

बीटेक, पोस्ट ग्रेजुएट, पीएचडी डिग्री वाले भी ई-श्रम कार्ड बनवाने के लिए लाइन में

ई-श्रम कार्ड बनवाने के लिए पीएचडी और इंजीनियर भी लाइन में लगे हैं। जिले में 11.59 लाख से अधिक लोगों के ई-श्रम कार्ड (e Shram Self Registration - register.eshram.gov.in) बन चुके हैं। एक परिवार में यदि दस सदस्य हैं, तो सभी के ई-श्रम कार्ड बन गए हैं। कार्ड बनवाने के लिए साइबर कैफे और जन सेवा केंद्रों पर लोगों की भीड़ लगी हुई है। अधिकांश लोग आवेदन के दौरान अपनी शैक्षणिक योग्यता तक नहीं भर रहे हैं।

शासन श्रम विभाग के माध्यम से लोगों के ई-श्रम कार्ड बनवा रहा है। कार्ड धारकों को एक-एक हजार रुपये दिए जाने हैं। इसमें कार्ड बनवाने के लिए जो गाइडलाइन जारी हुई है उसमें व्यक्ति की उम्र 18 से 59 साल होनी चाहिए और वह टैक्स न देता हो। जिले में कार्ड बनवाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी हुई है। ग्रेजुएशन, पोस्ट ग्रेजुएशन, बीटेक, पीएचडी डिग्री धारक भी कार्ड बनवाने की लाइन में हैं। श्रम विभाग के अनुसार जिले में अभी तक 11,59,552 महिला एवं पुरुषों के कार्ड बन चुके हैं। विभाग सभी वर्ग के लोगों द्वारा ई-श्रम कार्ड बनवाए जा रहे हैं। साइबर कैफे वाले भी एक कार्ड बनाने के 100-100 रुपये तक वसूल रहे हैं, जन सेवा केंद्र और साइबर कैफों पर लोगों की लाइन देखी जा सकती है।

किस श्रेणी में आएंगे यह नहीं पता

ई-श्रम कार्ड के लिए जो पीएचडी, परास्नातक व इंजीनियर तक आवेदन कर रहे हैं, विभाग को यह नहीं पता कि यह श्रमिकों की श्रेणी में आएंगे या फिर अन्य में। इसमें काफी लोग तो ऐसे हैं, जिन्होंने अपनी शैक्षिक योग्यता को छुपाया है। आवेदन के दौरान वह शिक्षा को अन्य में रखते हैं। अधिकांश लोग तो ऐसे हैं जो जॉब कर रहे हैं और उनके पास अपना कारोबार है। परिवार के सभी सदस्यों के कार्ड बनाए जा रहे हैं।

20 हजार के खातों में आई रकम : शासन द्वारा कार्ड धारकों के खातों में एक-एक हजार रुपये भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिले में 20 हजार कार्ड धारकों के खातों में पैसे आ गए हैं। बताया गया कि अन्य लोगों के खातों में रकम आनी बाकि है। यदि सभी के खातों में पैसे आए तो कई सौ करोड़ की राशि जिले में लोगों को दी जाएगी।

यूपी के 1.60 लाख स्कूल टीचर सीखेंगे इंग्लिश ग्रामर की बारीकियां, जानें क्या है योजना

उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के लगभग 1.60 लाख स्कूलों के छह लाख शिक्षक अंग्रेजी व्याकरण की बारीकियां जानेंगे। आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान (ईएलटीआई) के विशेषज्ञ उनके लिए अंग्रेजी व्याकरण और अपठित गद्यांश पर एक हैंडबुक तैयार कर रहे हैं। जो हर समय शिक्षकों के पास रहेगी ताकि अंग्रेजी अध्यापन में मुश्किल न हो। यह पुस्तिका अंग्रेजी और हिन्दी में होगी। इसे सरल भाषा में तैयार किया जा रहा है। अधिकांश उदाहरण परिषदीय स्कूलों की अंग्रेजी की किताबों से लिए गए हैं ताकि शिक्षक आसानी से समझ कर बच्चों को अच्छे से समझा सकें। हैंडबुक में अंग्रेजी व्याकरण की आधारभूत जानकारी रहेगी। जो शिक्षक अधिक अंग्रेजी समझना चाहते हैं उनके लिए उन्नत सामग्री के साथ शिक्षकों के स्व-मूल्यांकन के लिए भी सामग्री रहेगी। पुस्तिका में अंग्रेजी व्याकरण के नियमों की तर्कों के साथ व्याख्या दी जाएगी। इससे न सिर्फ शिक्षकों की अंग्रेजी व्याकरण की समझ बढ़ेगी बल्कि वे बच्चों को अच्छे से पढ़ा सकेंगे। ईएलटीआई के प्राचार्य डॉ. स्कंद शुक्ल के अनुसार हैंडबुक में कार्यात्मक आधार पर अंग्रेजी शिक्षण को बढ़ावा दिया जाएगा जो अध्यापन का सही तरीका है।

SWATI
Tuition Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tuition
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tuition Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

अमेरिका को बड़ा झटका: उत्तर कोरिया ने ट्रेन के जरिए दागीं दो मिसाइलें, नए प्रतिबंधों की उड़ाई धज्जियां

मिसाइलें दागने के बाद उत्तर कोरिया ने बयान जारी करते हुए आगाह किया कि यदि अमेरिका टकराव वाला रुख बरकरार रखता है तो वह और कठोर कदम उठाएगा। उत्तर कोरिया ने शुक्रवार को नए प्रतिबंधों की धज्जियां उड़ाते हुए दो रेलवे-जनित मिसाइलें दागकर अमेरिका को बड़ा झटका दिया है। स्थानीय मीडिया ने शनिवार को इसकी जानकारी दी है। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि उत्तर कोरिया के द्वारा शुक्रवार दोपहर दो छोटी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रक्षेपण किया गया था। दोनों मिसाइलें ट्रेन के माध्यम से दागी गई थीं। इसके कुछ ही घंटों बाद उत्तर कोरिया ने संयुक्त राज्य अमेरिका पर नए प्रतिबंधों को तोड़ने के लिए उकसाने का आरोप लगाया। वहीं समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार उत्तर कोरिया ने सितंबर 2021 में पहली बार किसी ट्रेन से मिसाइलों का परीक्षण किया था।

430 किलोमीटर थी रेंज : सियोल के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि शुक्रवार के प्रक्षेपण ने 36 किलोमीटर की ऊंचाई पर 430 किलोमीटर (270 मील) की दूरी तय की। पांच जनवरी और 11 जनवरी को हाइपरसोनिक मिसाइलों के दो सफल परीक्षणों के बाद इस महीने उत्तर कोरिया का यह तीसरा हथियार परीक्षण था।

जापान ने बताया बैलिस्टिक मिसाइल : जापान के प्रधानमंत्री कार्यालय और रक्षा मंत्रालय ने भी कहा कि उन्हें उत्तर कोरिया के इस परीक्षण का पता चला और वह निश्चित रूप से एक बैलिस्टिक मिसाइल है। जापान के तट रक्षक ने एक सुरक्षा परामर्श जारी करते हुए कहा कि एक वस्तु संभवत: गिरी थी। तट रक्षक ने कोरियाई प्रायद्वीप और जापान के साथ-साथ पूर्वी चीन सागर और उत्तर प्रशांत के बीच मौजूद जहाजों से आग्रह किया है कि वे आगे दी जाने वाली जानकारी पर नजर बनाए रखें।

नए अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद उत्तर कोरिया ने दी कार्रवाई की चेतावनी : उत्तर कोरिया ने उसके परीक्षणों को लेकर देश पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन पर निशाना साधा और चेताया कि यदि अमेरिका अपने टकराव वाले रुख पर कायम रहता है तो उसके खिलाफ कड़ी व स्पष्ट कार्रवाई की जाएगी।

यूपी चुनाव के लिए BSP ने किया 53 उम्मीदवारों का एलान, यहां देखें पूरी लिस्ट

लखनऊ। मायावती ने अपने जन्मदिन के मौके पर यूपी चुनाव यूपी चुनाव के पहले चरण की 58 में से 53 सीट पर उम्मीदवारों का एलान कर दिया है. इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस

में मायावती ने कहा कि तमाम दल गठबंधन करके हमें सत्ता में आने से रोकने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जनता हमें सत्ता में वापस लाएगी. बीएसपी सुप्रीमो ने कहा कि इस बार भी सत्ता में हम सर्वजन हिताय के तहत काम करेंगे.

बाकी 5 सीटों पर एक दो दिन में होगा उम्मीदवारों के नाम का एलान- मायावती : लखनऊ में मायावती ने कहा, 'हमने विधानसभा की 58 सीटों में से 53 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम को फाइनल कर लिया है और बाकी 5 सीटों पर भी उम्मीदवारों के नाम एक या दो दिन में फाइनल हो जाएंगे.'

फिर से सत्ता में लौटेगी बसपा- मायावती : मायावती ने कहा, 'आगामी विधानसभा चुनाव में जनता हमारी पार्टी को फिर से सत्ता में जरूर लेकर आएगी और मैं भी उन्हें विश्वास दिलाना चाहती हूं कि इस बार सत्ता में आने के बाद हमारी पार्टी अपने पूर्व के रहे शासनकाल की तरह ही फिर से यहां सभी मामले में सरकार चलाएगी.'

जनता विपक्ष के हथकंडों से सावधान रहे- मायावती : मायावती ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, ''जनता विपक्ष के हथकंडों से सावधान रहे. जातिवादी और बीएसपी विरोधी मीडिया से बचे. मैं 4 बार लोकसभा, तीन बार राज्यसभा, दो बार विधानसभा और दो बार एमएलसी रही हूं. कांशीराम जी के बाद पार्टी की मुझ पर जिम्मेदारी है, इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ूंगी. सरकार बनने पर विधान परिषद के जरिए सरकार का नेतृत्व करूंगी.'' मायावती ने कहा, ''साल 2022 उम्मीदों का साल है. परिवर्तन होगा. 'मेरे संघर्ष मेरे संस्मरण' मेरे ओर से लिखी गई पुस्तक का विमोचन किया जा रहा है. ये युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा दायक साबित होगी. बीएसपी की अंबेडकरवादी नीति आगे बढ़ती रहेगी.''

जिन लोगों ने नहीं ली है कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज उनके लिए सरकार करने जा रही है ये काम

नई दिल्ली। दिल्ली में अभी तक 20 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को पूरी तरह से टीका नहीं लगा है. ऐसे में जिन लोगों की डोज बाकी है, उनके घरों में टीम भेजकर 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य हासिल करने की तैयारी है. कोरोना मामलों की बढ़ती रफ्तार को देखते हुए देश में लोगों को जल्दी से जल्दी कोरोना वैक्सीन देने का अभियान चल रहा है. लेकिन देश की राजधानी दिल्ली में अभी तक 20 प्रतिशत से ज्यादा लोगों को पूरी तरह से टीका नहीं लगा है. ऐसे में जिन लोगों की कोरोना वैक्सीन की डोज बाकी है, दिल्ली सरकार अब उन लोगों के घरों में टीम भेजकर 100 प्रतिशत वैक्सीनेशन का लक्ष्य हासिल करने की तैयारी में है.

एक अधिकारी के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में कोरोना से हुई मौतों के विश्लेषण से पता चला है कि तीन-चौथाई लोगों ने टीके नहीं लगवाए थे. उन्हें कॉमरेडिटी तो थी ही और वैक्सीन की खुराक भी नहीं ली थी. उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने की पूरी कोशिश कर रही है कि जिन लोगों की दूसरी डोज बाकी है, उन लोगों की जिलेवार लिस्ट बनाकर टीका लगाया जाए. इसके लिए सभी के घर एक टीम जाएगी और वैक्सीन की डोज लगाएगी. उन्होंने कहा कि हर जिले में कॉल सेंटर है और वहां के काउंसलर की टीम बनाकर सभी के घर भेजा जाएगा. 79.8 प्रतिशत लोगों को लगे हैं दोनों टीके : उन्होंने कहा कि जिन लोगों को दोनों टीके लगे हैं, वे गंभीर लक्षणों और अस्पताल में भर्ती होने से बच सकते हैं. दिल्ली में गुरुवार शाम सात बजे तक 2,82,43,730 वैक्सीन की डोज लग चुकी है. जिसमें पहली डोज की संख्या 1.6 करोड़ का आंकड़ा पार कर गई है, हालांकि मतदाता सूची के अनुसार दिल्ली में योग्य आबादी 1.5 करोड़ के करीब है. उन्होंने कहा कि एनसीआर लोगों ने भी दिल्ली में ही वैक्सीन की पहली डोज ली है. वहीं दूसरी डोज की संख्या 1,18,38,382 है. इस आंकड़े के अनुसार दिल्ली में 79.8त्न लोगों का ही पूरी तरह से टीकाकरण हुआ है.

इस बीच दिल्ली में गुरुवार को वरिष्ठ नागरिकों के साथ-साथ हेल्थ और फ्रंटलाइन वर्कर्स को 24,034 बूस्टर शॉट दिए गए. वहीं 15 से 18 साल के 56,839 बच्चों को कोवैक्सिन की पहली डोज दी गई, इसी के साथ कुल डोज की संख्या 4 करोड़ से अधिक हो गई है.

यूक्रेन पर बड़ा हमला करने की फिराक में रूस, अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने दिए संकेत

एजेंसी। अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना ??है कि रूस की गतिविधि से लग रहा है कि वह अगले 30 दिनों के भीतर यूक्रेन पर जमीनी आक्रमण कर सकता है। वह यूक्रेन पर एक बड़े हमले के लिए संभावित आक्रमण का बहाना बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

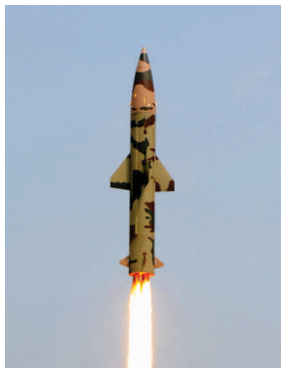

वाशिंगटन, एएनआइ। यूक्रेन के खिलाफ रूसी साइबर अभियानों की निगरानी करने वाली अमेरिकी खुफिया एजेंसियों का मानना ??है कि रूस की गतिविधि से लग रहा है कि वह अगले 30 दिनों के भीतर यूक्रेन पर जमीनी आक्रमण कर सकता है। पेंटागन के प्रेस सचिव जॉन किर्बी ने शुक्रवार को प्रेस से कहा कि उनके पास ऐसी जानकारी आई हैं जिससे यह संकेत मिलते हैं कि रूस पहले से ही यूक्रेन पर एक बड़े हमले के लिए संभावित आक्रमण का बहाना बनाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। बता दें कि अमेरिका का यह आरोप दोनों देशों के बीच राजनयिक बैठक के एक सप्ताह के बाद आया है।

अमेरिका में मेडिकल स?टाफ की कमी झेल रहे कोरोना मरीज, ढुष्ट बेड भी हो रहे कम, जानें- अन?य देशों का हाल

किर्बी ने कहा कि इस तरह का हमला कार्रवाई को रोकने की कोशिश करने, क्षमता को बाधित करने के लिए, व्यवहार को बदलने या यूक्रेन के अंदर नेतृत्व के फैसले को बदलने की कोशिश करने के लिए भी हो सकता है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव जेन पसाकी ने कहा कि बाइडन प्रशासन चिंतित था कि रूस इस तरह के हमले करेगा, यह वैसा ही था जैसा मास्को ने 2014 में यूक्रेन पर रूसी बलों के खिलाफ हमले की तैयारी का आरोप लगाकर किया था। पसाकी ने कहा कि वह चिंतित हैं कि रूसी सरकार यूक्रेन में एक आक्रमण की तैयारी कर रही है जिसके परिणामस्वरूप व्यापक मानवाधिकारों का उल्लंघन हो सकता है।

रूस ने साइटों पर यूक्रेनी उकसावे को गढ़ना शुरू किया : एक अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि वाशिंगटन के पास यह संकेत है कि मॉस्को ने एक समूह को पूर्वनिर्धारित किया है और गृहयुद्ध के लिए प्रशिक्षित किया है, साथ ही वे रूस की अपनी छद्म ताकतों के खिलाफ तोड़फोड़ के कृत्यों को अंजाम देने के लिए विस्फोटकों का उपयोग कर सकता है। जानकारी के अनुसार रूसी नेताओं ने रूसी हस्तक्षेप को सही ठहराने के लिए राज्य और सामाजिक मीडिया साइटों पर यूक्रेनी उकसावे को गढ़ना शुरू कर दिया है ।

सीमा के पास हजारों सैनिकों को किया जमा : अधिकारी ने कहा कि रूस ने यूक्रेन की सीमा के पास हजारों सैनिकों को जमा किया है, जो इस आशंका को बढ़ाता है कि मास्को अपने पड़ोसी पर आक्रमण करने की योजना उसी तरह से बना सकता है जैसे उसने 2014 में यूक्रेन के क्रीमिया प्रायद्वीप पर कब्जा कर लिया था। राष्ट्रपति बिडेन ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को चेतावनी दी है कि अगर रूस यूक्रेन पर आक्रमण करेगा तो उसे गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा। हालांकि, मास्को ने यूक्रेन पर आक्रमण करने के किसी भी इरादे से बार-बार इनकार किया है।

गोविंदा अपने नए एल्बम 'हैलो' के लिए हुए ट्रोल, तो भांजे कृष्णा अभिषेक ने दिया ये रिएक्शन

मुम्बई। नए एल्बम को लेकर गोविंदा को काफी ट्रोल किया जा रहा है। लोग ऐसे ऐसे कमेंट कर रहे हैं कि थक हारकर सुपरस्टार को अपने यूट्यूब चैनल का कमेंट सेक्शन बंद करना पड़ा। मामा की ऐसी हालत देख अब भांजे कृष्णा अभिषेक उनके समर्थन में उतर आए हैं।

नई दिल्ली, जेएनएन। सुपरस्टार गोविंदा काफी से समय से किसी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। पर हाल ही में उनका एक म्यूजिक एल्बम रिलीज हुआ। 'हैलो' नामक के सिंगल ट्रैक गाने को गोविंदा ने खुद ही गाया है। सोशल मीडिया पर ये गाना काफी वायरल हो रहा है, इसलिए नहीं कि लोग इसे पसंद कर रहे हैं। बल्कि इसलिए क्योंकि गाने को लेकर गोविंदा को काफी ट्रोल किया जा रहा है। लोग ऐसे ऐसे कमेंट कर रहे हैं, कि थक हारकर सुपरस्टार को अपने यूट्यूब चैनल का कमेंट सेक्शन बंद करना पड़ा। मामा की ऐसी हालत देख अब भांजे कृष्णा अभिषेक उनके समर्थन में उतर आए हैं।

गोविंदा औक कृष्णा के बीच पिछले काफी सालों से मनमुटाव चल रहा है। इनकी आपस की लड़ाई अब खुल के लोगों के सामने आ गई है, बावजूद इसके कृष्णा ने मामा का सपोर्ट पर उन्हें ट्रोल करने वाले की बोलती बंद कर दी। कृष्णा ने बॉलीवुड लाइफ से इंटरव्यू के दौरान कहा कि, 'मेरे लिए, वो हमेशा हीरो नंबर 1 ही रहेंगे'।

दरअसल, गोविंदा ने हाल ही में अपने यूट्यूब चैनल 'गोविंदा रॉयल्स' पर नाया सॉन्ग रिलीज किया है। एक्टर का ये गाना फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आया। उनका कहना है कि इस गाने में गोविंदा अपने पुराने यानि 90 के दशक वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं। लोग इस गाने को लेकर गोविंदा को ट्रोल करने लग गए।

किसी ने लिखा,% इतने बड़े स्टार हैं तो इज्जत से रिटायर क्यों नहीं हो जाते%। वहीं, एक यूजर ने लिखा, %इन सबका दौर जा चुका है। सर हम 90 में नहीं 2022 में जी रहे हैं। जाग जाइए।' गोविंदा के गाने पर इस तरह के कमेंट लगातार आ रहे हैं, जिस वजह से एक्टर को अपना कमेंट सेक्शन तक बंद करना पड़ गया।

अनुराग कश्यप की बेटी आलिया ने शेयर किया बेडरूम वीडियो, बताया ब्वॉयफ्रेंड संग कैसे होता है मॉर्निंग रूटीन

मुंबई। निर्देशक अनुराग कश्यप की बेटी आलिया कश्यप सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर हैं। अपने पिता की तरह आलिया भी काफी बिंदास हैं। वह एक व्लॉगर हैं और यूट्यूब पर वीडियो शेयर करती रहती हैं। इन वीडियोज में आलिया अपनी रोजमर्रा की जिंदगी की झलक दिखाती हैं। आलिया वैसे तो विदेश से पढ़ाई कर रही हैं लेकिन इस वक्त वह मुंबई में अपने पिता के घर पर हैं। उनके साथ उनके ब्वॉयफ्रेंड शेन ग्रेगॉयर भी हैं। अब स्टारकिड ने एक वीडियो पोस्ट किया है और अपने डेली रूटीन के बारे में बताया है।

आलिया से पहले उठ जाते हैं शेन : वीडियो की शुरुआत में आलिया और शेन बैठे होते हैं और आलिया कहती हैं कि देख सकते हैं उनकी पर्सनैलिटी बिल्कुल अलग है जो कि मॉर्निंग रूटीन में नजर आता है। शेन हमेशा जल्दी उठ जाता है और अपना काम करता है जबकि वह सोती रहती हैं। आगे शेन सुबह 9.15 बजे उठते हैं और लिविंग रूम के पर्दे हटा देते हैं जिससे सूरज की रोशनी कमरे में आती है। वह कहते हैं, 'ये कुछ ऐसी चीजें हैं जो मैं हर सुबह करता हूं। मैं एक घंटे से अधिक समय तक मेडिटेशन करूंगा। बहुत सारा पानी पीना जरूरी है खासकर सुबह के वक्त।'

बेड से उठने में लगाती हैं 20 मिनट : आलिया 10.30 बजे के करीब उठती हैं और वह बताती हैं कि बेड छोड़ने में उन्हें थोड़ा वक्त लग जाता है। वह कहती हैं, 'मैं 20 मिनट बेड पर लेटी रहती हूं जब तक कि मेरी आंखें ठीक से खुल ना जाएं और मेरे पास एनर्जी ना हो, मैं अपने फोन पर मैसेज के जवाब देती हूं या इंस्टाग्राम पर कुछ रील देखती हूं। वह आगे बताती हैं कि 'हर सुबह मेरे जागने के बाद शेन 10 मिनट के लिए बिस्तर पर सो जाता है और फिर हम एक दूसरे से गले लगते हैं, सपनों के बारे में बातें करते हैं।

'मेडिकल वर्ल्ड' के काले कारनामों का कच्चा चिट्ठा है 'ह्यूमन', शेफाली शाह- कीर्ति कुल्हारी और विशाल जेठवा ने किया एक्साइटिड

मुंबई। डॉक्टर्स को भगवान का दर्जा दिया जाता है, लेकिन क्या होता है जब मेडिकल की दुनिया के काले रहस्य सामने आएं तो....., क्या इसका खुलासा हो पाएगा या फिर इंसान झूठ- धोखे के खतरनाक जाल में फंस जाएगा? डिज़्नी+ हॉटस्टार (DisneyPlus Hotstar) पर जल्दी ही वेब सीरीज ह्यूमन (Human) रिलीज होगी, जिसका ट्रेलर रिलीज हो गया है। ह्यूमन में राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री शेफाली शाह, अभिनेत्री कीर्ति कुल्हारी के साथ विशाल जेठवा, राम कपूर, सीमा बिस्वास, आदित्य श्रीवास्तव और मोहन अगाशे प्रमुख किरदारों में नजर आएंगे। ह्यूमन के ट्रेलर की खास बात ये है कि इसे देखने के बाद आप भी एक बार को मेडिकल वर्ल्ड के बारे में सोचने पर मजबूर हो जाएंगे।

14 जनवरी को रिलीज होगी ह्यूमन : 'ह्यूमन' के ट्रेलर में सस्पेंस, थ्रिलर, दवाओं की दुनिया, हत्या, रहस्य, वासना और हेरफेर की मनोरंजक कहानी देखने को मिलती है। विपुल अमृतलाल शाह और मोज़ेज़ सिंह द्वारा निर्देशित, डिज़्नी+ हॉटस्टार स्पेशल सीरीज़ को मोज़ेज़ सिंह और इशानी बनर्जी ने लिखा है। सनशाइन पिक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड के विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित आगामी मेडिकल थ्रिलर ड्रामा 14 जनवरी 2022 रिलीज़ के लिए तैयार है और हुलु (Hulu) पर भी उपलब्ध होगी।

क्या बोलीं शेफाली शाह : सीरीज़ में डॉ. गौरी नाथ की मुख्य भूमिका निभा रही अभिनेत्री शेफाली शाह ने कहा, 'एक सीरीज़ के रूप में ह्यूमन आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक और संबंधित है। जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, तो मैं हमारे वर्तमान परिदृश्य, अस्पतालों और वैक्सीन परीक्षणों की दुनिया की कल्पना कर पा रही थी। गौरी नाथ ऐसी शख्सियत हैं जिनसे आप शायद ही कभी मिलते हों। यह मेरे द्वारा निभाए गए सबसे जटिल पात्रों में से एक है, और पूरी तरह से मेरे कम्फर्ट ज़ोन से परे है। ह्यूमन भावनाओं, कार्यों और परिणामों का पिटारा है। और आप कभी नहीं जान पाएंगे कि इसकी जटिलताओं की गहराइयों से कैसे प्रभावित होते है।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)